

पाठ-इक्कीस नूपी लाल



स्मृति, व्यस्त, मण्डल, संघर्ष, बारिश, ओला, तूफान, पहल, सूचना, नियंत्रित,
प्रांगण, रिहाई, जुटना।

इम्फाल

7 नवम्बर, 2004

मेरी प्रिय सहेली कंचन,

मधुर स्मृति। तुम कैसी हो ? बहुत दिनों से तुम्हारे साथ पत्र-व्यवहार नहीं कर सकी। क्षमा करना। आजकल मैं बहुत व्यस्त हूँ। जब से मैं अखिल मणिपुरी महिला मण्डल की सचिव बनी, प्रतिदिन सामाजिक कार्यक्रमों में जुटी रहती हूँ। खैर! मेरी बात छोड़ो। अपने पिछले पत्र में तुमने मणिपुर के सन् 1939 के नूपी लाल अर्थात् नारी-संघर्ष के बारे में पूछा था। आज मैं उस ऐतिहासिक घटना के बारे में बता रही हूँ।

सन् 1939 की बात है। उस वर्ष मणिपुर में खूब बारिश हुई थी, जिससे फसलों का बड़ा नुकसान हुआ। नवम्बर महीने में भी ओलों के साथ तूफानी बारिश हुई। उससे रही-सही फसलें भी बर्बाद हो गईं। इसी बीच व्यापारियों के द्वारा अधिक लाभ कमाने के लालच में उनके गोदामों में भरा चावल मणिपुर से बाहर भेजा जा रहा था। इससे मणिपुरी जनता, विशेष कर नारियों में असन्तोष और क्रोध की लहर दौड़ गई। 11 दिसम्बर 1939 के दिन ख्वाइरम्बन्द बाजार में दूध बेचने वाली श्रीमती अरिबम चाओबीतो न देवी की पहल पर क्रोधित महिलाएँ तत्कालीन पोलिटिकल एजेंट जिम्सन साहब के बंगले पर गईं, लेकिन वहाँ के कर्मचारियों ने उन्हें अगले दिन आने को कहा। गुस्से से भरी महिलाओं ने ख्वाइरम्बन्द बाजार में रात काटी। 12 दिसम्बर, 1939 की सुबह सारी महिलाएँ महाराज के दरबार में गईं। उनकी संख्या लगभग तीन हजार थी। दरबारी अध्यक्ष ने उनसे कहा कि महाराज चुड़ाचाँद तीर्थ-यात्रा पर नवद्वीप गए हैं, अतः वह उन्हें तार द्वारा सारी सूचना भेज देगा। महिलाओं ने निश्चय किया कि जब तक महाराज को तार नहीं भेजा जाएगा, वे उस जगह से नहीं हटेंगी। इसपर सरकारी अधिकारी और महिलाओं के बीच कहा-सुनी हुई। परिणामस्वरूप पुलिस का एक सब-इन्स्पेक्टर अपने सिपाहियों के

साथ वहाँ आ पहुँचा। चौथी असम राइफल्स का कमाण्डेण्ट भी एक सिविल सर्जन और 25 सिपाहियों के साथ महिलाओं को नियन्त्रित करने के लिए वहाँ आ गया। उनके पहुँचते ही महिलाओं पर लाठी चार्ज एवं संगीनों से हमला शुरू हो गया। परिणामस्वरूप टेलिग्राफ आफिस के प्रांगण में ३७ महिलाएँ लहलुहान हो गईं। श्रीमती सबी देवी नामक एक महिला बुरी तरह घायल हो गई। घायल महिलाओं को इम्फाल जिला अस्पताल में भरती कराया गया। रजनी देवी, आर.के.सनातोम्बी देवी, वाङ्खेम कुमारी देवी, लाइश्रम अमुबी देवी, खोङ्नाङ् देवी, वाहेङ्बम ताङ्गौ देवी और सारुङ्बम लैमतोन देवी को बन्दी बना कर जेल भेज दिया गया। अन्त में उन महिला कैदियों की जेल से रिहाई के बाद ही मणिपुर में शान्ति लौट आई।



12 दिसम्बर, 1939 को मणिपुरी महिलाओं ने सामाजिक, आर्थिक और मानवीय अधिकारों की रक्षा के लिए बलिदान किया था, आज भी मणिपुर की जनता उसका सम्मान करती है। इसलिए हर 12 दिसम्बर को राज्य स्तर पर “नूपी लाल दिवस” मनाया जाता है।

आज के लिए इतना ही। भविष्य में और जानकारी चाहोगी तो लिखना। माँजी और बाबूजी को प्रणाम कहना। छोटों को प्यार।

तुम्हारी सहेली
चनम् लिकलाइ लैमा

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझिए :

स्मृति = स्मरण, याद।

व्यस्त = कार्य आदि में संलग्न।

अखिल = सम्पूर्ण, सारा।

मण्डल = समिति।

सचिव = सेक्रेटरी।

ओला = बर्फ का गोला जो वर्षा में कभी-कभी गिरता है।

तूफानी = तूफान जैसा प्रचण्ड, ऊधमी।

पहल = किसी ऐसे कार्य का आरम्भ जिसमें प्रतिकारस्वरूप दूसरे भी कुछ करें।

हमला = आक्रमण, धावा।

रिहाई = मुक्ति, छुटकारा।

प्रांगण = आंगन।

2. उत्तर दीजिए :

(क) कौन किसको पत्र लिखता है ?

(ख) नूपी लाल की घटना कब की है ?

(ग) किस कारण से फसलें बर्बाद हो गई ?

(घ) मणिपुरी जनता के असन्तोष और क्रोध का क्या कारण था ?

(ङ) किसकी पहल पर क्रोधित महिलाएँ कब और कहाँ गई ?

(च) क्रोधित महिलाओं ने कहाँ रात काटी ?

(छ) १२ दिसम्बर १९३९ को महिलाएँ कहाँ गई ?

(ज) दरबार के अध्यक्ष ने महिलाओं से क्या कहा ?

(झ) महिलाओं ने क्या निश्चय किया ?

(ञ) अधिकारी और महिलाओं के बीच हुई कहा-सुनी के परिणामस्वरूप क्या हुआ ?

(ट) सिपाहियों के हमले के परिणामस्वरूप क्या हुआ ?

(ठ) किन-किन लोगों को जेल भेज दिया गया ?

- (ड) मणिपुर में शान्ति कैसे लौट आई ?
 (ढ) हर १२ दिसम्बर को नूपी लाल दिवस क्यों मनाया जाता है ?
 (ण) मणिपुरी महिलाओं के साहस के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।
 (त) वर्तमान मैरा पायबी के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

स्मृति -----
 व्यस्त -----
 नुकसान -----
 लालच -----
 पहल -----
 असन्तोष -----
 निश्चित -----
 हमला -----
 अधिकार -----
 सम्मान -----

4. सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (X) का निशान लगाइए :

- (क) सन् १९३९ का नूपी लाल एक ऐतिहासिक घटना है। ☐
 (ख) चावल मिलों से मणिपुरी चावल बाहर भेजा जा रहा था। ☐
 (ग) क्रोधित महिलाओं ने जिम्सन साहब के बंगले पर हमला किया। ☐
 (घ) संघर्ष में श्रीमती सबी देवी बुरी तरह घायल हो गई। ☐
 (ङ) हर १२ दिसम्बर को नूपी लाल दिवस मनाया जाता है। ☐

5. खाली जगह भरिए :

- (क) नवम्बर महीने में भी ----- बारिश हुई।
 (ख) स्थानीय लोगों को ----- हो गया।

- (ग) गुस्सेमें भी ----- रात काटी।
 (घ) सरकारी अधिकारी ----- हुई।
 (ङ) टेलीग्राफ आफिस के प्रांगण में ----- हो गई।
 (च) घायल महिलाओं को ----- कराया गया।

6. ध्यान से पढ़िए और समझिए :

उस वर्ष मणिपुर में खूब बारिश हुई थी, जिससे बड़ा नुकसान हुआ।
 वह दिन-रात पड़ता था, जिससे उसे सफलता मिली।
 अमु रोज अभ्यास करता था, जिससे उसे सफलता मिली।
 इस वर्षा बिलकुल नहीं हुई, जिससे अकाल पड़ गया।
 उपर्युक्त वाक्यों में निहित उपवाक्यों में कार्य और परिणाम का सम्बन्ध है।

7. पढ़िए, समझिए और याद रखिए :

हिन्दी में कुछ ऐसे शब्द भी होते हैं, जो सुनने में एक-से लगते हैं, किन्तु उनके अर्थ भिन्न होते हैं ऐसे शब्दों की वर्तनी में स्पष्ट अन्तर होता है। जैसे –

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
अचल	पर्वत	अनल	आग
अचला	पृथ्वी	अनिल	वायु
अति	बहुत	अन्न	अनाज
इति	समाप्त	अन्य	दूसरा
अणु	कण	अधम	नीच
अनु	पीछे	अधर्म	पाप
अपकार	बुराई	अपेक्षा	आवश्यकता
उपकार	भलाई	उपेक्षा	तिरस्कार

अभय	निडर	आकर	खान
उभय	दोनों	आकार	आकृति
आदि	आरम्भ	उदार	विशाल
आदी	अभ्यस्त	उदर	पेट
ओर	तरफ	कर्म	काम
और	तथा	क्रम	व्यवस्था
कुल	वंश	कान्ति	चमक
कूल	किनारा	क्रान्ति	परिवर्तन
ग्रह	नक्षत्र	दिन	दिवस
गृह	घर	दीन	गरीब
धरा	धरती	पता	ठिकाना
धारा	प्रवाह	पत्ता	पत्र
पवन	हवा	प्रवाह	बहाव
पावन	पवित्र	परवाह	चिन्ता
प्रसाद	कृपा	बदन	शरीर
प्रासाद	महल	वदन	मुख
बात	बातचीत	भवन	मकान
वात	वायु	भुवन	संसार
योग	मेल	रक्त	खून
योग्य	अच्छा	रिक्त	खाली
शाम	सायं	समान	बराबर
श्याम	काला	सम्मान	इज्जत
सुत	पुत्र	हंस	एक पक्षी विशेष
सूत	धागा	हँस	हँसना